an>

Title: Need to set up Divisional Office of Railways in Surat, Gujarat.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश (सूरत) : भारतीय रेलवे के स्टेशनों में सूरत (गुजरात) स्टेशन का नाम रेलवे मंत्रालय द्वारा वर्ल्ड क्लास स्टेशनों में घोषित किया गया है। पश्चिम रेलवे में सबसे अधिक रेवेन्यू देने वाले पहले पांच स्टेशनों में सूरत का समावेश होता है। साल की तकरीबन 150 करोड़ से ज्यादा की आमदनी रेलवे को सूरत स्टेशन से प्राप्त होती है। सूरत शहर की जनसंख्या 60 लाख से ज्यादा है यहां भारत देश की सबसे ज्यादा कपड़े की 200 से ज्यादा टेक्सटाइल मार्केट हैं जहां व्यापार हेतु देश एवं दुनिया से सैकड़ों व्यापारी आते-जाते हैं।

कपड़ा उद्योग के अलावा सूरत में 5000 से ज्यादा छोटी एवं सबसे बड़ी मात्रा में डायमंड की फैक्ट्रियां हैं। इस कारण लाखों व्यापारियों का सूरत आना-जाना रहता है एवं सूरत में हजीरा विस्तार में कृभको, एस्सार, रिलायंस, एन.टी.पी.सी., अदाणी, ओ.एन.जी.सी. जैसे देश की बड़ी औद्योगिक कंपनियां कार्यरत हैं। इसके कारण इस कंपनी में आने-जाने वाले हजारों की संख्या में यात्री रेलवे में यात्रा करके रेलवे तंत्र को आमदनी दे रहे हैं। इसके अलावा कंपनियों के लिए हर रोज कई गुड्स एवं पार्सल ट्रेनें दौड़ती है। इसके द्वारा भी बहुत सी आमदनी सूरत स्टेशन के द्वारा रेलवे तंत्र को मिलती है। सूरत शहर में उधना स्टेशन से जलगांव, भुसावल की ओर ताप्ती लाइन जाती है। यह रेलवे लाइन मद्रास एवं जगन्नाथपुरी तक भी जाती है।

सूरत रेलवे स्टेशन में डिवीजनल ऑफिस न होने के कारण छोटी से छोटी समस्या के लिए 250 किमी. दूर मुम्बई सेन्ट्रल डिवीजन से मांग करनी पड़ती है जिसमें कई बार बिना वजह कुछ मांगों के लिए महीनों एवं सालों लग जाते हैं, जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सूरत से हर रोज लगभग 1,20,000 से ज्यादा यात्रियों का आवागमन होता है एवं 38000 से ज्यादा करंट टिकट की बिक्री एवं 10000 से ज्यादा रिजर्व टिकट की बिक्री होती है।

पश्चिम रेलवे में सूरत से अधिक छोटे स्टेशनों पर डिवीजनल ऑफिस कई वर्षों से है जो रेवेन्यू, जनसंख्या एवं विकास की दृष्टि से भी सूरत से कई गुना पीछे हैं एवं डी.आर.एम. ऑफिस शुरू करने के लिए पर्याप्त मात्रा में जगह सूरत में उपलब्ध है।

सूरत की रेवेन्यू, जनसंख्या एवं विकास नजर में रखते हुए सूरत स्टेशन को डिवीजनल ऑफिस जल्द दी जाए, ऐसी प्रार्थना है।